

विक्रय पत्र

मालियत विक्रय पत्र रु० ८०,०००/-
बाजारी मूल्य जिस पर स्टाम्प दिया है रु० ६,०६,५००/-
स्टाम्प शीट की संख्या १८ शीट्स
स्टाम्प शुल्क १५७२०१/- आवास विकास शुल्क शामिल है कुल स्टाम्प का योग १५७२०१/-
मै/हम कि

श्री लखिन पारवाह पुत्र स्व० श्री इन्द्रजीत पारवाह निवासी ३६-वीं
एच० एम० रोड, कलकत्ता- २५ वर्तमान पता- ३५० ग्रील्ड डालबासा, देहरादून ।
-- विक्रेता.

निम्नलिखित सम्पत्ति बाके
प्लॉट नं० २० स्थित चायबाग कौलागढ़ का भाग
मुसंड संख्या ७२-वीं प्लॉट का क्षेत्रफल २५२.८३ वर्ग मीटर है ।

के मालिक व काबिज हैं और हमारी यह सम्पत्ति हर प्रकार के भार व रहन से मुक्त है उसको
बदस्त श्री
श्री कादीश लाल कुर्दिया पुत्र स्व० श्री सीमा सिंह निवासी १
शानन्द बाँक, देहरादून । -- क्रेता

विक्रय कर दिया है, बदले में विक्रय घन रु० ८०,०००/-
को निम्न प्रकार वसूल पाया
कुल विक्रय मूल्य विक्रयपत्र में लिखे अनुसार प्राप्त कर लिया है ।

विवरण सहित वाके

सम्पत्ति विवरण विक्रयपत्र में दिया गया है ।

X. 05
9

1000Rs.



में कि क्विच माहवाध पुत्र स्व० श्री इन्द्रजीत महरवार ,
 निवासी ३६-बी वी सुकणी रोड, कलकता- २५ वर्तमान पता-
 २५० गोरड डालमवाला, देहरादून का हूँ । --- विप्रेता.

विप्रेता श्री कि विप्रेता निम्नलिखित भूमि संड भाग
 सुलंड संख्या ७२-बी (भाग संख्या सं० २० विमा०) स्थित
 चापवाग कोलागड , परगना केन्द्रीयद्वारा जिला देहरादून ,
 जिसका पूर्ण विवरण इस विक्रयपत्र के अन्त में वर्णित भूचौ
 धम्पान में दिया गया है , का एकमात्र मालिक, कानिज ,
 भुस्वानो के तथा विप्रेता का नाम राजस्व अभिलेख में बतौर
 उम्मीदवार अधिकारों अधिकार भूमि के रूप में द्यै बला था
 रहा है । तथा विप्रेता की निम्नलिखित भूमि संड की पर
 मादि प्रकार वस्तुान्तरण करने के अधिकार प्राप्त है।-

S. Marwaha

391 1000
7-2-95

श्री जगदीश लाल कुंवर का पुत्र श्री वि. सा.
1- मानक

मिलाना पत्र हारि लाल कुंवर
पुत्र वि. सा. 1- मानक

श्री मल्लिकार्जुन शर्मा 26 फरवरी को 618/26/94 दि. 29/6/94

पर आपका परिचय पत्र 1558/618/26/93-94 दि. 03/1/95 का अंगुल किया

श्री रजि. नं. पु. सा. नं. यो. शब्द लगभग
2512 10 26 1000

क्र. 80000
पं. 101500

श्री श्रीमान् श्री (91) 8
पुत्र श्री श्री (91) 8
निवासी ... 398
के भाज दिनांक 8/2/95
उपस्थ मध्य 39
अधीनस्थ उप नि. 12
दिल्ली में प्रस्तुत

उप-निवासी
के. राव
8/2/95

S. Marwaha

इस लेख पत्र का निष्पादन
विक्रम घन नं. 80000
में से 50 ...
प्राप्त करके उक्त श्री (91) 8
के धोकार किया



1000RS.



-२-

ब्रॉर जेसा कि निम्नलिखित भूमि संड अन्वभाग भूमि
 सचित मुक्त विक्रेता की अर्पने पिता श्री इन्द्रजीत मारवाह
 पुत्र स्व० श्री इन्दी शार मारवाह की मृत्यु उपरान्त
 उपराधिकार में प्राप्त हुआ । मुक्त विक्रेता के पिता श्री
 इन्द्रजीत मारवाह द्वारा निम्नलिखित भूमि अन्य भूमि
 सचित प्रजोक्त विक्रयपत्र दिनांक २२-१२-१९६२ कि
 जिलका पंजीयन कार्यालय उपनिबन्धक देहरादून में बही
 नं० १ जिल्द ६६६ के पन्ने ४२।४५ - नं० मुक्त नं० १ जिल्द
 ६६५ के पन्ने १९५।१९६ में नं० ४०२६ मय सुवन्ना नं० ४०२६
 पर दिनांक ३०-१२-१९६२ को हुआ । मुक्त विक्रेता के पि

S. Marwah



- 3 -

निम्नलिखित भूमि पर विक्रयपत्र दिनांक २१-१२-१९६२ के
 आधार पर बतौर मालिक का बिल भूमि पर चल रहा है
 जिनका देहान्त दिनांक १८-३-१९८० को कलकत्ता में हो
 गया और उनकी मृत्यु के उपरान्त विक्रेता बतौर सम्पत्ति
 स्वामी निम्नलिखित भूमि पर काबिल चला आ रहा है।

और जो कि निम्नलिखित भूमि इस समय तक घर प्रकार
 के भार- बन्धन, रल, विक्रय, छप, ठुकी, जमानत, विवादों
 आदि से मुक्त व रहित है। विक्रेता को निम्नलिखित भूमि
 को अन्तरण करने में कोई काबूनी बाधा नहीं है। तथा

S. Marwah

1000Rs.



-५-

दवाव के वार्न् अपनी स्वतंत्र इच्छा से निम्नलिखित भूमि
बदस्त श्री जगदीश लाल कुर्कुरा पुत्र स्व० श्री सीता धिरे
निवासी १ आनन्द चौक, देहरादून की मुजालिग ८०,००० रुपये
(अस्सी हजार रुपये) अतिजल के बदले में विक्रय कर दी है
और कुल विक्रय मूल्य निम्न प्रकार प्राप्त कर लिया है -

(अ) - रु० १०,०००/- कर्णिये चेक संख्या ०६४८३७५ दिनांक
१५-४-६४ निर्गत शाखा कै आठ बडोदा
कृष्ण नगर मे०हून.

(ब) - रु० ७०,०००/- कर्णिये डिमांड ड्राफ्ट नं० ०५८२२५
दिनांक ६-२-६५ निर्गत शाखा कै आठ बडोदा
पेयबल सर्विस प्रांच कलकता .

S. Marwaha

1000Rs.



-६-

इस प्रकार कुल विक्रय मूल्य श्रेता महोदय से प्राप्त हो गया है जिसकी प्राप्ति में विक्रेता सतुद्धारा स्वीकार करता हूँ।
कोमत के मदे लेना कुछ भी शेष नहीं रहा है।-

कच्चा मुक्त विक्रेता ने निम्नलिखित भूमि से अपना शटआउट व उठाकर श्रेता महोदय का मोके पर अपने समान करा दिया है और श्रेता महोदय विक्रीत सम्पत्ति के वास्तविक अध्यापन में बतौर स्वामी काबिल हो गये हैं। जो जो अधिकार मुक्त विक्रेता को निम्नलिखित भूमि में वास्ते भूमिधरी, मालिकाना, रास्ता, नाली-पानी आदि की शकत प्राप्त हैं वधवा भविष्य

S. Marwaha

1000Rs.



-७-

में प्राप्त होने सम्भव है। उन सके मालिक राज से श्रेता
महोदय हो गये हैं। श्रेता महोदय को अधिकार प्राप्त है
कि वह विज्ञोत भूमिखंड से जिस प्रकार चाहे काम उठावे,
अपने उपयोग व उपयोग में लावे, निर्माण कार्य,
रिहायश करे, तथा किसी अन्य व्यक्ति को विज्ञय तथा
अन्य प्रकार से श्रुतान्तरित करे इसमें उनके अधिकार में
किसी उच्चाधिकारी को कोई बाधा नहीं होगी।-

यदि भविष्य में मुक्त श्रेता के स्वामित्व
अधिकार दोष के कारण अधिकार में रहित पूर्वधिकारी के

S. Marwala

1000Rs.



-८-

स्वामित्व अधिकार दोष के कारण निम्नलिखित भूमि या
उसका कोई भाग देता महोदय के कब्जे व स्वामित्व से
निकल जाये तो ऐसी दशा में देता महोदय को अधिकार
होगा कि वह निकली गयी कुल सम्पत्ति अथवा उसके भाग
की कीमत मय लागत उन्नति हजारों रुपयों सहित मुक्त विदेता
से तथा पैरो अन्य चल अचल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहे
प्राप्त करे। छपमें मुक्त कोई प्राप्ति नहीं होगी।-

यदि भाविष्य में देता महोदय को अपने स्वामित्व
अधिकार की पुष्टि के लिये मुक्त विदेता से अन्य कोई लेख

S. Marwaha

1000Rs.



-६-

लिखित अथवा मौखिक बयान आदि की आवश्यकता होगी
तो मैं ऐसी अमरुत कार्यवाही केता की अन्तुष्टि अतुसार
करने हेतु संभव तत्पर रहूंगा ।

केता मशौदय की यह भी स्पष्ट किया जाता है
कि मुक्त विक्रेता के पिता श्री इन्द्रजीत मारवाह ने अपनी
मृत्यु से पूर्व कौई वसोयत नही कीही और उ०प्र० अतीदारी
विनाश अन्मूलन अधिनियम के प्राविषानों के अन्तर्गत विक्रेता
स्वर्गीय श्री इन्द्रजीत मारवाह द्वारा छोड़ीगयी भूमि का

S. Marwaha

1000Rs.



-१०-

एकमात्र उपस्थाधिकारी है और उसका अन्य कोई सहोदर
भाई नहीं है ।

विद्योत भूमि नगरपालिका सीमा में स्थित है और
आवादी हेतु विक्रय की जा रही है ।

यदि भविष्य में अन्य कोई व्यक्ति निम्नलिखित भूमि
में अपना कोई हित, अधिकार, बलम के सम्बन्ध में कोई
दावेदारी करे तो ऐसी दावेदारी निर्बल व बिना अधिकार
के होगी और मैं हर दशा में केता मसौदय को वात्सरित रहूंगा ।

S. Marwaha

1000Rs.



-११-

श्रेता महोदय को अधिकार होगा कि वह राजस्व अभिलेख में मुक्त विद्वेता का नाम विज्ञीत भाग भूमि से तारिज कराकर अपना नाम कौर मालिक भूमिधर एवं कौल स्वामि मुक्त कौल प्राप्त नही होगे ।

विद्वेता ने निम्नलिखित भूमि को विक्रय करने हेतु प्राकरयक स्तुमति श्री धारा २६ नगर भूमि विभा रोपण

अधिनियम के अधीन प्राकरयक नोटिस क्रमांक ६१८/२६।६३-६४

प्रस्तुत किया था जिस पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा पत्र सं०

१५५५।नोटिस संख्या ६१८/धारा-२६।निराकरण।६३-६४

क्रमांक २-१-६५ के माध्यम से प्रापिच निराकरण कर दिया है ।

S. Marwaha

1000Rs.



-२२-

विश्रोत भूमि की तैय्युदा कीमत ८०,००० रुपये है
और निर्धारित सर्वेक्षित रेट से मासिक १,०१,५०० रुपये
वनती से जिस पर नियमानुसार स्टाम्प शुल्क फटा किया गया है।

विश्रोत भूमि संड चाय बाग कोलागढ़ परगना
केन्द्रीयखुल जिला देलाहल, राजेन्द्र नगर स्ट्रीट नं० ४ में
स्थित है।

S. Marwaha

1000Rs.



वरिष्ठ

2 FEB 1995

-१३-

विश्रुत भूमि में कोई भेड या बाग नहीं है।

विश्रुत अनुसूचित जाति प्रथम अनुसूचित जन जाति

से सम्बन्धित नहीं है।

S. Marwaha

1000Rs.



वरिष्ठ

2 FEB 1995

-२४-

घिवरण विधित भूमि

भूमि संख्या नम्बर २० मिन० स्थित चायबाग कोलागढ़
परगना केन्द्रियहून जिला देशाहून स्थित मूंडा संख्या ७२।की
का भाग जिसका क्षेत्रफल २५२.८३ वर्ग मीटर है जिसकी
सोमाय व नाप निम्न प्रकार है -

उत्तर में - अंश में मकान ओ प्ररिकनी संकेतना व अंश में
भूमि १० पौ० बल्लुणा तत्परचात् मकान
ओ २० पौ० गीयल सोमा नाप ६७ फुट ७ इंच .

दक्षिण में - शेष भूमि विधिता / सोमा नाप ६८ फुट ६ इंच

S Marwala

500Rs.



-२५-

पूरुव में - २५ डिट बांडा हास्ता, लोमा नाप ४० डिट

परिष्कृत में मकान को डी० पी० दुल्हर व प्रत में
मकान को जे० पी० बसुवा, लोमा नाप
४० डिट.

S. Marwaha



-२६-

मय सर्वाधिकार, सुताधिकार, कर्त्तव्य व स्वामित्व
सहित। जो कि संलग्न मोताचित्र में अंग्रेजी के आर
र बी सी डी ए से प्रदर्शित है।

S. Marwah



19 JAN 1995

-१७-

श्रेता महोदय को उत्तरी पिप्रा में पी. पी. १
के प्रदर्शित स्थान पर अपनी शतद्विवाला निमित्त
करने का अधिकार प्राप्त होगा।

S. Marwaha

391 10000
2
7-285

Contol. 391
1

राजस्थान राज्य शांति और
आयुष्य विभाग, जयपुर, राजस्थान

राजस्थान राज्य शांति और आयुष्य विभाग
जयपुर, राजस्थान
पुत्र श्री ... श्री ...
मिसत्री ... श्री ...
श्री ...
उप-निर्देशक
देहसद्वन

S. Marwaha

K. Khurda

Tialal



[Handwritten signature]

411 60/-
2
8.28r

Contd. 408
1

लिखित द्वारा प्राप्त कृषि-
कार्य विज्ञान, कचहरी, देहली

...
...
...
...

... 343
... 412 ... 242
... 7.9.6 पर आज दिनांक 18/1/15

S. P. ...
D. Dur.



AT
17-6-95
1060. Payen.